रहे हैं, वही दूसरी ओर तांत्रिक के फेर में दो व्यक्तियों की जान चली गयी । दो व्यक्तियों की जान इन तांत्रिकों ने ले ली है । उपसभाध्यक्ष महोदय, ये दो व्यक्ति हमारे शहाबुद्दीन साहब और मोहम्मद हनीफ साहब थे और मारने वाले तांत्रिक हैं—अलीमुद्दीन और कलीमुद्दीन । क्यों मारा इनको ? इसके पीछे क्या कारण हैं ? सिर्फ यह दिल्ली का ही सवाल नहीं है । आज सिर्फ दिल्ली का सवाल इससे जुड़ा होता तो हम लोग ये बहस नही करते । क्योंकि दिल्ली एक मालदार जगह है, इसलिए इन तांत्रिकों ने कह दिया कि पांच तोला सोना और 5 हजार 50 रुपये हमें दे दो तो तुम्हारी देह पर से चढ़ा हुआ जिन्न उतार देंगे । यह दिल्ली का सवाल है और इसके साथ-साथ लाखों गांवों का भी सवाल है कि दो कड़िया कबूतर और एक बोतल दारू में ये तांत्रिक लोग भूत उतारते हैं, जिन्न उतारते हैं और इस तरह से सैंकड़ों जानें, हजारों जानें हर साल ये तांत्रिक ले लेते है, गांव के गरीब आदमी को अंधविश्वास में डाल-डालकर । इसलिए हम सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहते हैं कि इन तांत्रिकों से इस देश को बचाइए और यह जो तांत्रिक स्वामी बने हुए हैं, ये स्वामी देश के बड़े-बड़े शीर्ष पर बैठ हुए राजनेताओं को अपनी गिरफ्त में रखे हुए हैं । बड़े-बड़े उच्च अधिकारियों को भी अपनी गिरफ्त मे रखे हुए हैं । मैं कहना चाहूंगा कि मनुष्य तकदीर बनाता है, अपने पुरुषार्थ से, कर्तव्य से न कि हाथ की लकीर से और माथे के ललाट से आज मनुष्य को मनुष्य ही पुरुषार्थी न बनाकर कायर और भाग्यवादी बना रहा है । इसलिए उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि सरकार की तरफ से ऐसे तांत्रिकों पर तुरंत प्रतिबंध लगना चाहिए और सरकार की ओर से जवाब आना चाहिए कि क्या कार्यवाही की जा रही है ताकि आइंदा किसी इंसान की जान न जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी :सरकार ही तांत्रिकों के असर में चल रही है तो उससे आप क्या अपेक्षा कर सकते है कि सरकार क्या करेगी ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I adjourn the House for lunch up to 2.30 p.m.

The Houre then adjourned for lunch at two minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-four minutes past two of the clock, THE VICE-CHAIRMAN (SHRI MD. SALIM) in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS FOR EXPENDITURE OF THE GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR (1994-95)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants for Expenditure of the Government of Jammu and Kashmir for the year 1994-95.

THE BUDGET (JAMMU AND KASHMIR), 1995-96

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKHAR MURTHY): Sir, I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) of the estimated receipts and expenditure of the Government of Jammu and Kashmir for the year 1995-96.

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR THE WEEK COMMENCING 27TH MARCH 1995

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MATANG SINH): With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business during the week commencing 27th March, 1995 will consist of:

1. Consideration and return of the following Bills as passed by Lok Sabha:

(a) The Appropriation Bill, 1995.

(b) The Appropriation (Vote on Account) Bill, 1995.